CBSE 2025 हिन्दी (अ) — सेट 2 — Answer Key

English Medium

Time Allowed: 3 Hours | Maximum Marks: 80

General Instructions:

1. This question paper contains 38 questions. All questions are compulsory.
2. Section A has 20 MCQs carrying 1 mark each.
3. Section B has 6 questions carrying 2 marks each.
4. Section C has 6 questions carrying 3 marks each.
5. Section D has 4 questions carrying 5 marks each.
6. Section E has 3 case-study based questions carrying 4 marks each.
7. Draw neat figures wherever required.

Q.1(i) [1 mark]

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उस पर आधारित दिए गए प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर लिखिए :

दिनकर जी ने माना है कि उन पर प्रारम्भ से ही जितना प्रभाव रवीन्द्रनाथ ठाकुर का रहा उतना ही मोहम्मद इकबाल का। बाद में इलियट की काव्य-शैली और विचार-दृष्टि ने उनके कवि मानस को छूकर दूर भीतर तक उन्मथित कर दिया। परिणामत: उनकी कविताओं ने एक नई भंगिमा को ग्रहण किया।

दिनकर जी अपने युग के एक प्रमुख कवि ही नहीं, सफल और प्रभावपूर्ण गद्य लेखक भी थे। सीधी-सरल भाषा और अत्यन्त प्रांजल शैली में उन्होंने विभिन्न साहित्यिक विषयों पर निबन्ध भी दिए हैं, तो बोधकथा, डायरी-संस्मरण भी, और दर्शन-इतिहासगत तथ्यों के विवेचन भी।

'दिनकर' जी जीवन भर संघर्षरत रहे। साहित्य और राजनीति दोनों के बीच उनका मन रमता था और इन दोनों ही क्षेत्रों में उनको सफलता मिली। साहित्य जगत द्वारा प्रदत्त ज्ञानपीठ पुरस्कार ने दिनकर जी को प्रफुल्लित कर दिया। उनके अन्तरंग मित्रों को यह ज्ञात है कि ज्ञानपीठ पुरस्कार उनके जीवन के अन्तिम अध्याय का स्वर्णिम क्षण सिद्ध हुआ। पुरस्कार प्राप्त कर 'दिनकर' जी अभिभूत थे क्योंकि कवि का मन अपनी रचनाओं की स्वीकृति, विशेष रूप से सुधीजनों द्वारा उनका प्रशंसित और समादृत होना, अपनी सबसे बड़ी उपलब्धि मानता है। ज्ञानपीठ पुरस्कार के मिलने के बाद उन्होंने अप्रैल, 1974 में तिरुपति की यात्रा की। जब 'दिनकर' जी मद्रास पहुँचे तो यह एक सुखद संयोग था कि उनके सर्वाधिक स्नेही मित्र थे गंगाशरण सिंह और जयप्रकाश बाबू भी वहीं थे। उसी शाम उन्होंने मद्रास के समुद्र तट पर अपने कुछ मित्रों को अपनी सुन्दर-सुन्दर रचनाएँ सुनाईं। तब कोई नहीं जानता था कि आज 23 – 24 अप्रैल की शाम गंगा की गोद में उत्पन्न दिनकर जी के अस्ताचल जाने की शाम थी। उसी रात मद्रास में ही 'दिनकर' जी की जीवन लीला समाप्त हो गई और फिर उनका पार्थिव शरीर मद्रास से दिल्ली होकर पटना लाया गया।

दिनकर जी के लेखन पर किन-किन कवियों का प्रभाव रहा है ?

I. इलियट

II. रवीन्द्रनाथ ठाकुर

III. मोहम्मद इकबाल

IV. गंगाशरण सिंह

(a) I, III और IV

(b) I, II और III <<

(c) II, III और IV

(d) I, II और IV

Explanation:

गद्यांश के अनुसार दिनकर जी पर रवीन्द्रनाथ ठाकुर, मोहम्मद इकबाल और इलियट का प्रभाव रहा। गंगाशरण सिंह उनके मित्र थे, कवि नहीं। अतः सही उत्तर I, II और III है।

Q.0 [0 mark]

दिनकर जी के बारे में कौन-सा तथ्य असत्य है ?

(a) वे एक प्रमुख कवि थे परंतु असफल गद्य लेखक भी थे। <<

(b) उनकी शैली प्रांजल थी तथा वे साहित्यिक निबंध लिखते थे।

(c) ज्ञानपीठ पुरस्कार उनके जीवन के अंतिम अध्याय का स्वर्णिम पन्ना है।

(d) बोधकथा, डायरी, संस्मरण के अतिरिक्त दिनकर जी ने इतिहास के विषय में भी लिखा है।

Explanation:

गद्यांश स्पष्ट करता है कि दिनकर जी 'सफल और प्रभावपूर्ण गद्य लेखक भी थे', न कि असफल। अतः विकल्प (A) असत्य है।

Q.0 [0 mark]

निम्नलिखित कथन और कारण को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए विकल्पों से सही उत्तर चुनकर लिखिए :

कथन : पुरस्कार प्राप्त कर मन अभिभूत हो जाता है।

कारण : पुरस्कार विद्वज्जनों द्वारा दी जाने वाली सराहना और सम्मान का प्रतीक है।

(a) कथन गलत है और कारण भी पूरी तरह गलत ही है।

(b) कथन सही है परंतु कारण आंशिक रूप से सही है।

(c) कथन और कारण दोनों सही हैं और कारण, कथन की उचित व्याख्या भी है। <<

(d) कथन और कारण दोनों सही हैं, परंतु कारण, कथन की उचित व्याख्या नहीं है।

Explanation:

गद्यांश बताता है कि पुरस्कार प्राप्त कर दनिकर जी अभभूित थे क्योंकि कवि अपनी रचनाओं की सुधीजनों द्वारा स्वीकृति को सबसे बड़ी उपलब्धि मानता है। अतः कथन और कारण दोनों सही हैं और कारण, कथन की उचति व्याख्या है।

Q.0 [0 mark]

दनिकर जी की रचनाशीलता की दो वशिषताएँ उदाहरण सहति लखिए ।

Answer: दनिकर जी की रचनाशीलता की दो प्रमुख वशिषताएँ हैं — (1) ववििधिता: उन्होंने कवति के साथ-साथ नबिंध, बोधकथा, डायरी-संस्मरण और दर्शन-इतहिास पर भी लखिा। (2) प्रभावशाली भाषा-शैली: उनकी भाषा सीधी-सरल और शैली अत्यंत प्रांजल थी।

Explanation:

गद्यांश के आधार पर दनिकर जी की रचनाशीलता में ववििधिता और प्रांजल भाषा-शैली प्रमुख वशिषताएँ हैं। उन्होंने साहत्यि की लगभग सभी वधिाओं में सफलतापूर्वक लखिा।

Q.1(v) [1 mark]

ज्ञानपीठ पुरस्कार का दनिकर जी के जीवन में क्या महत्त्व रहा ?

Answer: ज्ञानपीठ पुरस्कार दनिकर जी के जीवन के अंतमि अध्याय का स्वर्णमि क्षण सद्धि हुआ। इस पुरस्कार को पाकर वे अभभूित हो गए क्योंकि सुधीजनों द्वारा उनकी रचनाओं की स्वीकृति और प्रशंसा उनके लिए सबसे बड़ी उपलब्धि थी।

Explanation:

ज्ञानपीठ पुरस्कार ने दनिकर जी को प्रफुल्लति कयिा और यह उनके जीवन का स्वर्णमि क्षण बना। पुरस्कार प्राप्ति के बाद वे तरिुपति यात्रा पर गए और मद्रास में उनका नधिन हुआ।

Q.2(i) [1 mark]

नम्निलखिति काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उस पर आधारति दिए गए प्रश्नों के सर्वाधकि उपयुक्त उत्तर लखिए :

प्राइवेट बस का ड्राइवर है तो क्या हुआ
सात साल की बच्ची का पति तो है !
सामने गयिर से ऊपर
हुक से लटका रक्खी हैं

काँच की चार चूड़ियाँ गुलाबी
बस की रफ़्तार के मुताबकि
हलिती रहती हैं ···
झुककर मैंने पूछ लयिा
खा गया मानो झटका
अधेड़ उम्र का मुच्छड़ रोबीला चेहरा
आहस्ि्ते से बोला : हाँ सा'ब
लाख कहता हूँ, नहीं मानती है मुनयिा
टाँगे हुए है कई दनिों से
अपनी अमानत
यहाँ अब्बा की नज़रों के सामने
मैं भी सोचता हूँ
क्या बगिाड़ती हैं चूड़यिाँ
कसि जुर्म पे हटा दूँ इनको यहाँ से ?
और ड्राइवर ने एक नज़र मुझे देखा
और मैंने एक नज़र उसे देखा
छलक रहा था दधिया वात्सल्य बड़ी-बड़ी आँखों में
तरलता हावी थी सीधे-सादे प्रश्न पर
और अब वे नगिाहें फरि से हो गईं सड़क की ओर
और मैंने झुककर कहा –
हाँ भाई, मैं भी पति हूँ
वो तो बस यूँ ही पूछ लयिा आपसे
वर्ना ये कसिको नहीं भाएँगी ?
नन्हीं कलाइयों की गुलाबी चूड़यिाँ !

बस में कवयि को सबसे अधकि आकर्षति करने वाली बात क्या थी ?

(a) बस की रफ़्तार
(b) ड्राइवर का रोबीला चेहरा
(c) सात साल की बच्ची की मौजूदगी
(d) लटकी हुई गुलाबी चूड़यिाँ <<

Explanation:

काव्यांश में कवि का ध्यान गयिर के ऊपर हुक से लटकी गुलाबी काँच की चूड़यिों की ओर आकर्षति हुआ, जो बस की रफ्तार के साथ हलिती रहती थीं।

Q.0 [0 mark]

नम्निलखिति कथन और कारण को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए वकिल्पों से सही उत्तर चुनकर लखिए :

कथन : बस का ड्राइवर चूड़यिों को हटाने के वषिय में सोचता है।

कारण : चूड़यिों से बस चलाने में बाधा पहुँचती है।

(a) कथन गलत है, परंतु कारण सही है।

(b) कथन और कारण दोनों गलत हैं।

(c) कथन सही है, परंतु कारण गलत है। <<

(d) कथन और कारण दोनों सही हैं।

Explanation:

ड्राइवर चूड़यिाँ हटाने के बारे में सोचता है, यह सही है (कथन सही है)। परंतु बाधा का कारण बस चलाने में नहीं बल्कि बेटी की जदि है;

चूड़यिाँ कोई बाधा नहीं डालतीं (कारण गलत है)।

Q.0 [0 mark]

कवि ने 'गुलाबी चूड़यिों' के वषिय में बस के ड्राइवर से क्यों पूछा था ?

(a) सहज जज्ञिासा वश <<

(b) आपत्ति जिताने के लिए

(c) कवि भी पति था इसलिए

(d) सफ़र की ऊब को दूर करने के लिए

Explanation:

कवि ने झुककर पूछा — यह एक सहज जज्ञिासा थी। कवति के अंत में भी कवि कहता है 'वो तो बस यूँ ही पूछ लयि आपसे', जो सहज जज्ञिासा को दर्शाता है।

Q.0 [0 mark]

कवति का मूल भाव क्या है ? इसे पढ़ते हुए आप स्वयं क्या महसूस करते हैं ?

Answer: कवति का मूल भाव पतृि-वात्सल्य और सरल मानवीय संवेदना है। एक बस ड्राइवर

अपनी सात साल की बेटी मुनिया की गुलाबी चूड़ियाँ अपनी आँखों के सामने रखता है — यह पिता का प्रेम है। इसे पढ़कर हृदय में कोमल भावना जागती है और यह अहसास होता है कि मातृ-पितृ प्रेम हर वर्ग में समान होता है।

Explanation:

यह कविता पितृ-वात्सल्य की सुंदर अभिव्यक्ति है। ड्राइवर और कवि दोनों पिता हैं और चूड़ियों के बहाने दोनों के बीच एक मानवीय भावनात्मक संबंध बनता है।

Q.2(v) [1 mark]

बस की गियर से ऊपर लटकी गुलाबी चूड़ियों को किसने और क्यों लटकाया है ?

Answer: गुलाबी चूड़ियाँ ड्राइवर की सात साल की बेटी मुनिया ने लटकाई हैं। मुनिया ने इन्हें अपनी अमानत के रूप में अपने अब्बा की नज़रों के सामने रखा है ताकि ड्राइवर पिता उन्हें देखता रहे और बेटी उसके साथ (मानसिक रूप से) रहे। ड्राइवर ने भी उन्हें हटाया नहीं क्योंकि वे उसकी बेटी के प्रेम की निशानी हैं।

Explanation:

चूड़ियाँ मुनिया ने लटकाई हैं — यह पिता-पुत्री के प्रेम का प्रतीक है। पिता उन्हें देखकर बेटी की याद में डूबा रहता है।

Section A

Multiple Choice Questions (1 mark each)

Q.3 [1 mark]

निर्देशानुसार 'रचना के आधार पर वाक्य-भेद' पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

(क) वे भारत में बस जाने के बाद दो या तीन बार अपने परिवार से मिलने भारत से बेल्जियम गए थे। (रचना के अनुसार वाक्य का भेद पहचानकर लिखिए)

(ख) जो शांति बरसती थी वह चेहरे पर थिर थी । (आश्रित उपवाक्य और उसका भेद पहचानकर लिखिए)

(ग) वे रिश्ता बनाते थे तो तोड़ते नहीं थे। (सरल वाक्य में बदलिए)

(घ) अपने अभिन्न मित्र डॉ. रघुवंश को वे उन चिट्ठियों को दिखाते थे । (संयुक्त वाक्य में बदलिए)

(ङ) उनकी बहन सख्त और ज़िद्दी थी। (मिश्र वाक्य में बदलिए)

Answer: (क) मिश्र वाक्य — इसमें एक प्रधान उपवाक्य और एक आश्रित उपवाक्य है।

(ख) आश्रित उपवाक्य: 'जो शांति बिरसती थी' — यह संज्ञा उपवाक्य / विशेषण उपवाक्य है।

(ग) वे रिश्ता बनाकर तोड़ते नहीं थे।

(घ) वे डॉ. रघुवंश के अभिन्न मित्र थे और उन्हें वे चिट्ठियाँ दिखाते थे।

(ङ) उनकी बहन ऐसी थी जो सख्त और ज़िद्दी थी।

Explanation:

वाक्य-भेद के अंतर्गत सरल, संयुक्त और मिश्र वाक्यों की पहचान और रूपांतरण करना आवश्यक है। आश्रित उपवाक्य प्रधान वाक्य पर निर्भर होता है।

Q.4 [1 mark]

निर्देशानुसार 'वाच्य' पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

(क) मैंने राहत की साँस ली। (कर्मवाच्य में बदलिए)

(ख) गार्गी द्वारा बड़े-बड़े विद्वानों को शास्त्रार्थ में हराया गया। (कर्तृवाच्य में बदलिए)

(ग) बीमारी के कारण वे ज़्यादा देर बैठ न सकीं। (भाववाच्य में बदलिए)

(घ) पंडिता रमाबाई ने भारत में स्त्री-मुक्ति की नींव डाली। (वाच्य-भेद पहचानकर लिखिए)

(ङ) चलो, सोया जाए। (वाच्य-भेद पहचानकर लिखिए)

Answer: (क) मुझसे राहत की साँस ली गई।

(ख) गार्गी ने बड़े-बड़े विद्वानों को शास्त्रार्थ में हराया।

(ग) बीमारी के कारण उनसे ज़्यादा देर बैठा न गया।

(घ) कर्तृवाच्य

(ङ) भाववाच्य

Explanation:

वाच्य के तीन भेद हैं — कर्तृवाच्य, कर्मवाच्य और भाववाच्य। कर्मवाच्य में कर्म की प्रधानता होती है, भाववाच्य में क्रिया के भाव की।

Q.5 [1 mark]

निर्देशानुसार 'पद-परिचय' पर आधारित निम्नलिखित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

(क) मैं शुरू से ही देर तक सोने वाला हूँ। (रेखांकित पद का पद-परिचय दीजिए : मैं)

(ख) उसने प्राणांतक परिश्रम किया किंतु सफल नहीं हो सका। (रेखांकित पद का पद-परिचय

दीजिए : प्राणांतक)

(ग) एक दिन वह घूमने नहीं आया। (रेखांकित पद का पद-परिचय दीजिए : एक)

(घ) तुम कब जाओगे ? (रेखांकित पद का पद-परिचय दीजिए : कब)

(ङ) हमारी जीप थोड़ी और आगे बढ़ी। (रेखांकित पद का पद-परिचय दीजिए : बढ़ी)

Answer: (क) मैं — सर्वनाम, पुरुषवाचक, उत्तम पुरुष, एकवचन, पुल्लिंग, कर्ता कारक।

(ख) प्राणांतक — विशेषण, गुणवाचक, एकवचन, पुल्लिंग, 'परिश्रम' विशेष्य की विशेषता।

(ग) एक — विशेषण, संख्यावाचक, एकवचन, पुल्लिंग, 'दिन' विशेष्य।

(घ) कब — क्रियाविशेषण, कालवाचक, 'जाओगे' क्रिया की विशेषता।

(ङ) बढ़ी — क्रिया, सकर्मक, भूतकाल, एकवचन, स्त्रीलिंग, कर्तृवाच्य।

Explanation:

पद-परिचय में शब्द का व्याकरणिक परिचय दिया जाता है जैसे संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया, क्रियाविशेषण आदि तथा उनके लिंग, वचन, कारक आदि।

Q.6 [1 mark]

निर्देशानुसार 'अलंकार' पर आधारित निम्नलिखित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

(क) निम्नलिखित काव्य-पंक्ति से अलंकार पहचानकर लिखिए : "गोपी पद-पंकज पावन की रज जामैं सिर भीजै।"

(ख) "उस काल मारे क्रोध के तन काँपने उसका लगा। / मानो हवा के वेग से सोता हुआ सागर जगा।" — पंक्तियों में कौन-सा अलंकार है ?

(ग) "एक साथ रघु ने पैरों से चाँपा अवनि। / पति-दत्त सिंहासन और सकल अरिमंडल।।" — काव्य-पंक्तियों में प्रयुक्त अलंकार पहचानिए।

(घ) मानवीकरण अलंकार का एक उपयुक्त उदाहरण किसी काव्य-पंक्ति द्वारा दीजिए।

(ङ) कविता की उपयुक्त पंक्तियों के माध्यम से उपमा अलंकार का एक उदाहरण लिखिए।

Answer: (क) अनुप्रास अलंकार — 'प', 'प', 'प' वर्ण की आवृत्ति (पद-पंकज-पावन)।

(ख) उत्प्रेक्षा अलंकार — 'मानो' वाचक शब्द से उपमान की कल्पना।

(ग) श्लेष अलंकार — 'चाँपा' शब्द के दो अर्थ: पैरों से दबाना (सिंहासन के लिए) और पराजित करना (शत्रुओं के लिए)।

(घ) उदाहरण: 'मेघ आए बड़े बन-ठन के सँवर के' — मेघ पर मानवीय क्रियाओं का आरोप।

(ङ) उदाहरण: 'मानो हवा के वेग से सोता हुआ सागर जगा' — उपमा का उदाहरण।

Explanation:

अनुप्रास में एक ही वर्ण की आवृत्ति, उत्प्रेक्षा में 'मानो/जानो' से संभावना, श्लेष में एक शब्द के अनेक अर्थ, मानवीकरण में निर्जीव पर मानवीय भावों का आरोप होता है।

Q.7(i) [1 mark]

निम्नलिखित पठित गद्यांश पर आधारित बहुविकल्पी प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए :

उस ज़माने में घर की दीवारें घर तक ही समाप्त नहीं हो जाती थीं बल्कि पूरे मोहल्ले तक फैली रहती थीं इसलिए मोहल्ले के किसी भी घर में जाने पर कोई पाबंदी नहीं थी, बल्कि कुछ घर तो परिवार का हिस्सा ही थे। आज तो मुझे बड़ी शिद्दत के साथ यह महसूस होता है कि अपनी जिंदगी खुद जीने के इस आधुनिक दबाव ने महानगरों के फ्लैट में रहने वालों को हमारे इस परंपरागत 'पड़ोस-कल्चर' से विच्छिन्न करके हमें कितना संकुचित, असहाय और असुरक्षित बना दिया है। मेरी कम-से-कम एक दर्जन आरंभिक कहानियों का पात्र इसी मोहल्ले के हैं जहाँ मैंने अपनी किशोरावस्था गुज़ार अपनी युवावस्था का आरंभ किया था। एक-दो को छोड़कर उनमें से कोई भी पात्र मेरे परिवार का नहीं है। बस इनको देखते-सुनते, इनके बीच ही मैं बड़ी हुई थी लेकिन इनकी छाप मेरे मन पर कितनी गहरी थी, इस बात का अहसास तो मुझे कहानियाँ लिखते समय हुआ। इतने वर्षों के अंतराल ने भी उनकी भाव-भंगिमा, भाषा, किसी को भी धुँधला नहीं किया था और बिना किसी विशेष प्रयास के बड़े सहज भाव से वे उतरते चले गए थे। उसी समय के दा साहब अपने व्यक्तित्व की अभिव्यक्ति के लिए अनुकूल परिस्थितियाँ पाते ही 'महाभोज' में इतने वर्षों बाद कैसे एकाएक जीवित हो उठे, यह मेरे अपने लिए भी आश्चर्य का विषय था... एक सुखद आश्चर्य का।

वर्तमान समय में पड़ोस कल्चर के समाप्त होने का/के क्या कारण है/हैं ? इस प्रश्न के उत्तर में उचित विकल्प चुनकर उत्तर दीजिए :

I. फ्लैट संस्कृति का जन्म लेना
II. अपनी जिंदगी खुद जीने का दबाव
III. संयुक्त परिवारों का विघटित होना
IV. पाश्चात्य संस्कृति का बढ़ता प्रभाव

(a) केवल I सही है
(b) केवल IV सही है

(c) I और II दोनों सही हैं <<

(d) II और III दोनों सही हैं

Explanation:

गद्यांश में स्पष्ट है कि फ्लैट संस्कृति (I) और अपनी जिंदगी खुद जीने का आधुनिक दबाव (II) — ये दोनों पड़ोस-कल्चर के समाप्त होने के कारण हैं।

Q.0 [0 mark]

निम्नलिखित कथन और कारण को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए विकल्पों से सही उत्तर चुनकर लिखिए :

कथन : परंपरागत 'पड़ोस-कल्चर' से अलग होकर हम संकुचित, असहाय और असुरक्षित बन गए हैं।

कारण : स्वायत्ततापूर्ण जिंदगी जीने के महानगरीय दबाव ने मनुष्य को स्वार्थी और आत्मकेन्द्रित बना दिया है।

(a) कथन सही है, परंतु कारण गलत है।

(b) कथन गलत है, परंतु कारण सही है।

(c) कथन और कारण दोनों सही हैं और कारण, कथन की उचित व्याख्या है। <<

(d) कथन और कारण दोनों सही हैं, परंतु कारण, कथन की उचित व्याख्या नहीं है।

Explanation:

गद्यांश के अनुसार आधुनिक स्वायत्त जीवन-शैली ने पड़ोस-कल्चर को नष्ट किया है, जिससे लोग संकुचित और असुरक्षित हुए हैं। कथन और कारण दोनों सही हैं और कारण, कथन की सटीक व्याख्या करता है।

Q.0 [0 mark]

लेखिका की कहानियों के पात्रों के बारे में कहा जा सकता है :

I. उनकी आरंभिक कहानियों के पात्र उनके मोहल्ले के ही थे।

II. अधिकांशत: पात्र उनके परिवार से ही आते हैं।

III. शुरू के पात्र उनकी किशोरावस्था और युवावस्था की स्मृतियों से आते हैं।

(a) केवल I सही है

(b) I और II सही हैं

(c) I और III सही हैं <<

(d) II और III सही हैं

Explanation:

गद्यांश में कहा गया है कि पात्र मोहल्ले के हैं (I सही) और वे किशोरावस्था-युवावस्था की स्मृतियों से आते हैं (III सही)। परिवार के नहीं हैं — 'एक-दो को छोड़कर कोई भी पात्र मेरे परिवार का नहीं' (II गलत)।

Q.0 [0 mark]

'घर की दीवारें घर तक ही समाप्त नहीं होने' का आशय क्या है ?

(a) आस-पड़ोस के घरों से अपने घर जैसे आत्मीय संबंध। <<

(b) आस-पड़ोस के घरों की दीवारों का आपस में मिला-जुला होना।

(c) मोहल्ले के हर घर में आने-जाने पर पाबंदी लग जाना।

(d) मोहल्ले के अन्य घरों से निश्चित और सीमित संबंध रखना।

Explanation:

यह मुहावरेदार अभिव्यक्ति है — घर की दीवारें पड़ोस तक फैली थीं अर्थात पड़ोसियों से घर जैसे आत्मीय संबंध थे, आने-जाने पर कोई रोक नहीं थी।

Q.7(v) [1 mark]

लेखिका के लिए भी सुखद आश्चर्य का विषय क्या था ?

(a) उनके पात्र एकदम जीवंत कैसे बनते रहे।

(b) उनके समय में सब एक-दूसरे से खुलकर मिल पाते थे।

(c) आज के फ्लैट कल्चर ने हमें किस प्रकार असहाय बना दिया है।

(d) अतीत के पात्रों का भाव-भंगिमा सहित कहानी में जीवंत हो उठना। <<

Explanation:

लेखिका के लिए सुखद आश्चर्य यह था कि इतने वर्षों बाद भी मोहल्ले के पात्र अपनी भाव-भंगिमा और भाषा सहित बिना किसी प्रयास के उनकी कहानियों में जीवंत हो उठे।

Q.8(k) [1 mark]

निर्धारित गद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित चार प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25 – 30 शब्दों में लिखिए :

(क) 'नेताजी का चश्मा' पाठ में कस्बे के लोगों के किस प्रयास को सराहनीय कहा जा रहा है और क्यों ?

Answer: कस्बे के लोगों ने नेताजी सुभाष चंद्र बोस की मूर्ति लगाकर उनके प्रति श्रद्धा व्यक्त की। वे मूर्ति पर चश्मा लगाकर देशभक्ति की भावना बनाए रखते थे — यह प्रयास सराहनीय है

क्योंकि यह देशभक्तों के प्रति सम्मान का प्रतीक है।

Explanation:

नेताजी की मूर्ति पर चश्मा लगाने की परंपरा देशभक्ति और सामुदायिक सम्मान का प्रतीक है। कस्बे के लोग और कैप्टन चश्मेवाला इस भावना को जीवित रखते हैं।

Q.0 [0 mark]

(ख) बालगोबिन भगत ने अपनी पतोहू की चिंता किस प्रकार की ? इससे उनके व्यक्तित्व के किस गुण का पता चलता है ?

Answer: बालगोबिन भगत ने बेटे की मृत्यु के बाद पतोहू को पुनर्विवाह के लिए प्रेरित किया और उसे उसके भाई के साथ मायके भेज दिया। इससे उनके निस्वार्थ, उदार और प्रगतिशील व्यक्तित्व का पता चलता है।

Explanation:

बालगोबिन भगत ने समाज की परवाह न करते हुए विधवा पतोहू के सुखद भविष्य की चिंता की — यह उनकी करुणा और प्रगतिशील सोच को दर्शाता है।

Q.8(g) [1 mark]

(ग) 'संस्कृति' पाठ के संदर्भ में असंस्कृति और असभ्यता किसे कहेंगे ? सोदाहरण लिखिए ।

Answer: असंस्कृति का अर्थ है — उस खोज या अन्वेषण की भावना का न होना जो मानव को आगे बढ़ाती है। असभ्यता वह है जब व्यक्ति या समाज संस्कृति के लाभों का उपयोग करे किंतु उनके पीछे की भावना को न समझे। उदाहरण: आग का उपयोग करना सभ्यता है, किंतु आग किसने और क्यों खोजी — यह न जानना असंस्कृति है।

Explanation:

लेखक भदंत आनंद कौसल्यायन के अनुसार संस्कृति अन्वेषण की भावना है। जो इस भावना से रहित है वह असंस्कृत है, और जो सभ्यता के बाह्य रूपों का उपयोग बिना भावना के करता है वह असभ्य है।

Q.0 [0 mark]

(घ) 'लखनवी अंदाज़' के दोनों पात्र — नवाब साहब और लेखक मूलत: एक समान सफ़ेदपोश सज्जन हैं — इस कथन को उदाहरण सहित सत्य सिद्ध कीजिए ।

Answer: नवाब साहब खीरा सूँघकर फेंक देते हैं — यह उनका नवाबी नखरा है। लेखक भी बिना भूख के खीरा खाने से मना करते हैं — यह उनका स्वाभिमान है। दोनों ही दिखावे और आत्मसम्मान में

समान हैं — दोनों सफेदपोश सज्जन हैं जो व्यावहारकिता से परे अपनी छवि बिनाए रखते हैं।

Explanation:

'लखनवी अंदाज़' में नवाब साहब और लेखक दोनों दिखावे की प्रवृत्ति रखते हैं — एक खीरा सूँघकर फेंकता है, दूसरा भूखे होते हुए भी खाने से मना करता है। दोनों का सफेदपोश अंदाज़ एक जैसा है।

Q.9(i) [1 mark]

निम्नलिखित पठित काव्यांश पर आधारित बहुविकल्पी प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए :

हरि हैं राजनीति पढ़ि आए।
समुझी बात कहत मधुकर के, समाचार सब पाए।
इक अति चतुर हुते पहिलैं ही, अब गुरु ग्रंथ पढ़ाए।
बढ़ी बुद्धि जानी जो उनकी, जोग-सँदेस पठाए।
ऊधौ भले लोग आगे के, पर हित डोलत धाए।
अब अपनै मन फेर पाइहैं, चलत जु हुते चुराए।
ते क्यों अनीति करैं आपुन, जे और अनीति छुड़ाए।
राज धरम तौ यहै 'सूर', जो प्रजा न जाहि सताए ।।

प्रस्तुत पद में 'राजनीति' का प्रयोग हुआ है :

(a) चतुराई के अर्थ में <<
(b) अच्छे कर्मों के उदाहरण में
(c) कर्तव्यपालन के अर्थ में
(d) कृष्ण की प्रशंसा के संदर्भ में

Explanation:

गोपियाँ व्यंग्य में कह रही हैं कि श्रीकृष्ण 'राजनीति पढ़ि आए' — यहाँ राजनीति का अर्थ चालाकी/चतुराई है, न कि राजकीय नीति। यह व्यंग्योक्ति है।

Q.0 [0 mark]

गोपियों के द्वारा 'मधुकर' किसे कहा जा रहा है ?

(a) कृष्ण को

(b) भ्रमर को

(c) उद्धव को <<

(d) हरि को

Explanation:

गोपियाँ उद्धव को 'मधुकर' (भँवरे) की उपमा देती हैं क्योंकि वे एक स्थान पर टिकते नहीं — जैसे भँवरा एक फूल पर नहीं रुकता। यहाँ मधुकर = उद्धव।

Q.0 [0 mark]

निम्नलिखित कथन और कारण को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए विकल्पों से सही उत्तर चुनकर लिखिए :

कथन : गोपियाँ पहले के लोगों को भला कह रही हैं।

कारण : वे लोग इधर-उधर डोलते-दौड़ते रहते थे।

(a) कथन गलत है, परंतु कारण सही है।

(b) कथन सही है, परंतु कारण गलत है। <<

(c) कथन और कारण दोनों सही हैं और कारण, कथन की उचित व्याख्या है।

(d) कथन और कारण दोनों ही गलत हैं।

Explanation:

गोपियाँ पहले के लोगों को भला कहती हैं (कथन सही) — लेकिन वे 'पर हित डोलत धाए' अर्थात दूसरों की भलाई के लिए दौड़ते थे, न कि यूँ ही इधर-उधर (कारण गलत)।

Q.0 [0 mark]

इस पद में गोपियों ने श्रीकृष्ण पर कौन-कौन से आक्षेप लगाए हैं ?

I. उन्होंने राजनीति सीख ली है।

II. पहले से ही चतुर थे, अब तो बड़े-बड़े ग्रंथ भी पढ़ लिए।

III. योग-संदेश भेजने का अर्थ है कि उनकी चालाकी और बढ़ गई है।

(a) I और II दोनों

(b) I और III दोनों

(c) I, II और III तीनों <<

(d) II और III दोनों

Explanation:

गोपियाँ तीनों आक्षेप लगाती हैं — कृष्ण ने राजनीति (चालाकी) सीखी, पहले से चतुर थे अब गुरु ग्रंथ पढ़ाए, और योग-संदेश भेजकर और चालाकी दिखाई। अतः I, II, III तीनों सही हैं।

Q.9(v) [1 mark]

'राजधर्म' क्या है ?

(a) स्वयं अन्याय करना

(b) दूसरों के अन्याय को रोकना

(c) प्रजा को न सताना <<

(d) गोपियों को योग-संदेश भिजवाना

Explanation:

सूरदास के इस पद में गोपियाँ कहती हैं — 'राज धरम तौ यहै सूर, जो प्रजा न जाहि सताए' — अर्थात राजधर्म है प्रजा को न सताना।

Q.10(k) [1 mark]

निर्धारित कविताओं के आधार पर निम्नलिखित चार प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25 – 30 शब्दों में लिखिए :

(क) अपने पाठ्यक्रम से पढ़ी एक ऐसी कविता का उल्लेख कीजिए जो पूरी तरह प्रकृति की शोभा पर केन्द्रित है। कविता के केंद्रीय भाव को भी लिखिए।

Answer: 'छाया मत छूना' या 'यह दंतुरित मुस्कान' जैसी कविताएँ प्रकृति से जुड़ी हैं। पर पूर्णतः प्रकृति पर — 'पर्वत प्रदेश में पावस' (सुमित्रानंदन पंत) — इस कविता में पर्वतीय वर्षा ऋतु का सुंदर चित्रण है। केंद्रीय भाव: प्रकृति का सौंदर्य और उसकी गतिशीलता।

Explanation:

पाठ्यक्रम में प्रकृति-केंद्रित कविता 'पर्वत प्रदेश में पावस' है जिसमें पर्वत, झरने, मेघ और वन का सुंदर चित्रण किया गया है।

Q.0 [0 mark]

(ख) 'यह दंतुरित मुस्कान' का कवि बालक की माँ को धन्य क्यों कह रहा है ? शिशु के प्रति माता कौन कर्तव्यों का निर्वाह करती है ?

Answer: कवि नागार्जुन माँ को धन्य इसलिए कहते हैं क्योंकि उनका शिशु इतना सुंदर और प्यारा है कि उसकी दंतुरित मुस्कान मृत पत्थर में भी जान डाल देती है। माँ शिशु को दूध पिलाकर, लोरी

सुनाकर और स्नेह से पालकर अपने कर्तव्यों का निर्वाह करती है।

Explanation:

दंतुरित मुस्कान कविता में बच्चे की पहली मुस्कान का वर्णन है। माँ बच्चे की पहली देखभाल करती है — यही उसका धन्य होना है।

Q.10(g) [1 mark]

(ग) 'आत्मकथ्य' का लेखक आत्मकथा नहीं लिखते हुए भी अपने जीवन की झलकियाँ हमारे सामने रख देता है। कविता के आधार पर किन्हीं दो का वर्णन कीजिए।

Answer: जयशंकर प्रसाद 'आत्मकथ्य' में अपने जीवन की झलकियाँ देते हैं — (1) उनके जीवन में एक प्रिया का आगमन हुआ जो उनसे छल करके चली गई। (2) उनके जीवन में अनेक दुख थे किंतु वे उसे उजागर नहीं करना चाहते — इसीलिए वे आत्मकथा लिखने से मना करते हैं।

Explanation:

'आत्मकथ्य' में कवि व्यक्तिगत पीड़ा और मोह-भंग की बात करता है, परंतु उसे सार्वजनिक नहीं करना चाहता। यही उसकी व्यक्तिगत विनम्रता है।

Q.0 [0 mark]

(घ) 'संगतकार' के दो गुणों का उल्लेख करते हुए लिखिए कि इन्हीं दो का चयन आपने क्यों किया है।

Answer: संगतकार के दो प्रमुख गुण: (1) विनम्रता — वह मुख्य गायक के सामने अपनी आवाज़ धीमी रखता है ताकि उसकी श्रेष्ठता बनी रहे। (2) सहयोग की भावना — वह गायक के भटकने पर उसे राह दिखाता है। इन्हें इसलिए चुना क्योंकि ये गुण जीवन में सहयोग और टीमवर्क के लिए आवश्यक हैं।

Explanation:

संगतकार सहायक की भूमिका में होता है — वह मुख्य गायक को सहारा देता है। उसकी विनम्रता और सहयोग की भावना उसे महान बनाती है।

Q.11(k) [1 mark]

पूरक पाठ्य-पुस्तक के निर्धारित पाठों पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 50 – 60 शब्दों में लिखिए :

(क) 'मैं क्यों लिखता हूँ' पाठ के आधार पर लिखिए कि हिरोशिमा में लेखक ने क्या-क्या देखा

और उसकी अनुभूति को किसने झकझोरा ? हिरोशिमा की विभीषिका से मनुष्य-जगत क्या सीख सकता है ?

Answer: लेखक अज्ञेय ने हिरोशिमा में एक जले हुए पत्थर पर एक मानव की छाया देखी — परमाणु विस्फोट की भयावहता का यह प्रमाण था। जापानी कवि की कविता ने उनकी अनुभूति को झकझोरा। मनुष्य-जगत यह सीख सकता है कि युद्ध और परमाणु हथियार सभ्यता को नष्ट कर देते हैं — इनसे बचना ही मानवता की रक्षा है।

Explanation:

हिरोशिमा में परमाणु बम का प्रभाव इतना भयानक था कि विस्फोट के समय वहाँ खड़े व्यक्ति की छाया पत्थर पर अंकित हो गई। यह मानव की क्षणभंगुरता का प्रतीक है।

Q.0 [0 mark]

(ख) 'माता का आँचल' में भोलानाथ के पिता उसके जीवन से किस प्रकार जुड़े थे ? सोदाहरण लिखिए। भोलानाथ के पिता जैसा व्यवहार बच्चों के जीवन में क्यों आवश्यक होता है ? अपने विचारों के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

Answer: भोलानाथ के पिता उनके जीवन में हर पल साथ थे — सुबह साथ उठकर स्नान, पूजा करते हुए भोलानाथ को कंधे पर बैठाना, साथ खेलना और रामायण सुनाना। उदाहरण: पिता भोलानाथ के साथ मिट्टी के खिलौने बनाते और उनके साथी बच्चों को भोजन कराते। ऐसा व्यवहार बच्चों में आत्मविश्वास, सुरक्षा और संस्कार विकसित करता है।

Explanation:

'माता का आँचल' में पिता-पुत्र का घनिष्ठ संबंध दर्शाया गया है। पिता का सक्रिय साथ बच्चे के मानसिक और भावनात्मक विकास के लिए अत्यंत आवश्यक है।

Q.11(g) [1 mark]

(ग) 'साना साना हाथ जोड़ि' पाठ की लेखिका जितना ही बाहर के सौंदर्य से अभिभूत हो रही थीं उतना ही अपने भीतर डूब जा रही थीं। पाठ से दो उदाहरण लेकर लेखिका की दोनों अवस्थाओं का चित्रण कीजिए।

Answer: बाहरी सौंदर्य: लेखिका मधु कांकरिया गंतोक की प्राकृतिक सुंदरता, कंचनजंघा की बर्फीली चोटियाँ और हरे-भरे पर्वत देखकर मंत्रमुग्ध हो जाती हैं। आंतरिक अवस्था: वहाँ की गरीबी, पत्थर तोड़ती महिलाएँ और बच्चों की स्थिति देखकर वे भीतर से व्यथित हो जाती हैं और अपने अस्तित्व पर विचार करने लगती हैं।

Explanation:

'साना साना हाथ जोड़ि' यात्रा-वृत्तांत है जिसमें लेखिका बाहरी प्राकृतिक सौंदर्य और भीतरी मानवीय पीड़ा के बीच झूलती रहती हैं।

Q.12 [1 mark]

निम्नलिखित तीन विषयों में से किसी एक विषय पर दिए गए संकेत-बिंदुओं के आधार पर लगभग 120 शब्दों में एक अनुच्छेद लिखिए :

(क) शहरीकरण और प्रदूषण की समस्या

संकेत-बिंदु: शहरीकरण का अभिप्राय | शहर प्रदूषण के लिए अधिक जिम्मेदार कैसे ? | विकास की गति को बनाए रखकर भी प्रदूषण पर नियंत्रण कैसे करें ?

(ख) शारीरिक श्रम : स्वास्थ्य का आधार

संकेत-बिंदु: आधुनिक जीवन-शैली के चलते घटता शारीरिक श्रम | स्वस्थ रहने के लिए शारीरिक श्रम की आवश्यकता | शारीरिक श्रम से होने वाले लाभ

(ग) सफलता के बदलते मानदंड

संकेत-बिंदु: वर्तमान में सफल होने का अर्थ | सफलता के पुराने निकष और वर्तमान में बदली कसौटियाँ | बदलाव का समाज और नई पीढ़ी पर प्रभाव

Answer: उदाहरण अनुच्छेद — शारीरिक श्रम : स्वास्थ्य का आधार:

आधुनिक जीवन में मशीनों और तकनीक के बढ़ते प्रयोग ने शारीरिक श्रम को लगभग समाप्त कर दिया है। कार्यालय में घंटों कुर्सी पर बैठना और घर पर टीवी-मोबाइल से चिपके रहना आज की दिनचर्या बन गई है। इस कारण मोटापा, मधुमेह, उच्च रक्तचाप जैसी बीमारियाँ तेज़ी से बढ़ रही हैं। शारीरिक श्रम न केवल शरीर को स्वस्थ रखता है बल्कि मन को भी प्रसन्न रखता है। नियमित व्यायाम, पैदल चलना और घरेलू कार्य करने से शरीर की रोगप्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है। अतः स्वस्थ जीवन के लिए शारीरिक श्रम को दिनचर्या का अनिवार्य हिस्सा बनाना चाहिए।

Explanation:

अनुच्छेद में दिए गए संकेत-बिंदुओं को क्रमबद्ध रूप से लिखना चाहिए। भाषा सुपष्ट और प्रवाहमयी होनी चाहिए।

Q.13(k) [1 mark]

(क) आपका नाम आन्या/सिद्दीक है । आपने अपने किसी कार्य से अपने प्रिय मित्र को चोट/ठेस पहुँचाई है । मित्र का दिल ऐसा दुखा कि वह अब आपसे बात नहीं करता/करती । लगभग 100 शब्दों में पत्र लिखते हुए 'उक्त' कार्य का उल्लेख कर क्षमा माँगते हुए

आश्वस्त करें कि भविष्य में आप ध्यान रखेंगे कि ऐसी स्थिति ना हो।

Answer: प्रिय मित्र,

सादर नमस्ते।

मुझे बहुत खेद है कि मेरे व्यवहार से तुम्हें ठेस पहुँची। जब मैंने तुम्हारी बात सबके सामने कह दी, वह मेरी बड़ी भूल थी। मुझे ऐसा नहीं करना चाहिए था। तुम मेरे सबसे प्रिय मित्र हो और तुम्हारी भावनाएँ मेरे लिए महत्त्वपूर्ण हैं। मैं वचन देता/देती हूँ कि भविष्य में ऐसी गलती कभी नहीं होगी। कृपया मुझे क्षमा करो और हमारी मित्रता पहले जैसी बनाए रखो।

तुम्हारा/तुम्हारी मित्र,

आन्या/सिद्दीक

Explanation:

क्षमा-याचना पत्र में गलती स्वीकार करना, भविष्य में सुधार का वचन देना और मित्रता की भावना व्यक्त करना आवश्यक है।

Q.0 [0 mark]

अथवा

(ख) आपका नाम आन्या/सिद्दीक है और आप अपने विद्यालय के छात्र-अध्यक्ष हैं। प्रधानाध्यापिका को लगभग 100 शब्दों में पत्र लिखकर सुझाव दीजिए कि एक अंतर कक्षा वाद-विवाद प्रतियोगिता कब, कैसे और किन कक्षाओं के बीच करवाई जा सकती है। यह प्रतियोगिता क्यों करवानी चाहिए इसके लिए भी तर्क दीजिए।

Answer: सेवा में,

प्रधानाध्यापिका जी,

विद्यालय का नाम।

विषय: अंतर कक्षा वाद-विवाद प्रतियोगिता के संबंध में।

महोदया,

मेरा सुझाव है कि वार्षिक समारोह से पूर्व कक्षा 9 और 10 के बीच एक वाद-विवाद प्रतियोगिता आयोजित की जाए। विषय सामाजिक और समसामयिक हो। यह प्रतियोगिता शनिवार को सभागार में हो सकती है। इससे छात्रों की वाकपटुता, तर्कशक्ति और आत्मविश्वास बढ़ेगा। कृपया इस सुझाव पर विचार करें।

आपका/आपकी आज्ञाकारी छात्र/छात्रा,

आन्या/सिद्दीक, छात्र-अध्यक्ष

Explanation:

औपचारिक पत्र में प्रारूप का पालन अनिवार्य है — सेवा में, विषय, महोदया/महोदय, मुख्य बात और अंत में हस्ताक्षर।

Q.14(k) [1 mark]

(क) आपका नाम रोज़ी/राकेश है और आपने हाल ही में पुस्तकालय-विज्ञान में स्नातक की पढ़ाई पूरी की है। शहर के सबसे बड़े सार्वजनिक पुस्तकालय में कनिष्ठ पुस्तकालयाध्यक्ष की रिक्ति के लिए आवेदन हेतु लगभग 80 शब्दों में अपना स्ववृत्त तैयार कीजिए।

Answer: स्ववृत्त (Curriculum Vitae)

नाम: रोज़ी/राकेश

पता: [पता]

फोन: [नंबर]

ई-मेल: [ई-मेल]

शैक्षिक योग्यता:

- पुस्तकालय-विज्ञान में स्नातक (हाल ही में उत्तीर्ण)
- 12वीं कक्षा — [बोर्ड, वर्ष]

कौशल: पुस्तक वर्गीकरण, सूचीकरण, डिजिटल पुस्तकालय प्रबंधन

भाषा ज्ञान: हिंदी, अंग्रेजी

रुचि: पठन, पुस्तक संग्रह

घोषणा: उपरोक्त जानकारी सत्य है।

तिथि: हस्ताक्षर

Explanation:

स्ववृत्त (CV) में व्यक्तिगत जानकारी, शैक्षिक योग्यता, कौशल और घोषणा का समावेश होना चाहिए। यह संक्षिप्त और स्पष्ट होना चाहिए।

Q.0 [0 mark]

अथवा

(ख) आपका नाम रोज़ी/राकेश है और आप दूर-दराज़ के एक गाँव में रहते हैं। वहाँ से आपने ज़रूरी दवाएँ 'अ.ब.स.' नामक कंपनी से मँगाई हैं। कंपनी ने सप्ताह भर में भेजने का वादा करके तीन सप्ताह लगा दिए पर दवाएँ अब तक नहीं पहुँची हैं। जबकि आप अग्रिम भुगतान कर चुके हैं। कंपनी के 'उपभोक्ता-शिकायत विभाग' में 'उपभोक्ता कोर्ट' में इसकी शिकायत दर्ज

करवाने की चेतावनी देते हुए लगभग 80 शब्दों में एक ई-मेल लिखिए।

Answer: प्रति: customercare@abs.com
विषय: दवाओं की आपूर्ति न होने की शिकायत
महोदय/महोदया,
मैंने तीन सप्ताह पहले ऑर्डर संख्या [XXXX] से दवाएँ मँगाई थीं और अग्रिम भुगतान भी कर दिया था। कंपनी ने एक सप्ताह में भेजने का वादा किया था, परंतु तीन सप्ताह बाद भी दवाएँ नहीं पहुँची हैं। यह उपभोक्ता अधिकारों का उल्लंघन है। यदि एक सप्ताह में दवाएँ नहीं पहुँचती तो मैं उपभोक्ता कोर्ट में शिकायत दर्ज करवाऊँगा/करवाऊँगी।
रोज़ी/राकेश

Explanation:
ई-मेल में विषय, मुख्य शिकायत और चेतावनी स्पष्ट होनी चाहिए। उपभोक्ता अधिकारों का उल्लेख और उपभोक्ता कोर्ट की चेतावनी आवश्यक है।

Q.15(k) [1 mark]

(क) 'धूम्रपान स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है' विषय पर स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से लगभग 40 शब्दों में एक जनहितकारी विज्ञापन तैयार कीजिए।

Answer: जनहित में जारी
धूम्रपान — मौत का द्वार!
सिगरेट, बीड़ी, तंबाकू — ये सब आपके फेफड़े नष्ट करते हैं।
कैंसर, हृदय रोग और श्वास की बीमारियों से बचें।
'आज ही छोड़ें — कल स्वस्थ रहें'
हेल्पलाइन: 1800-XXX-XXXX
— स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार

Explanation:
जनहितकारी विज्ञापन में स्पष्ट संदेश, आकर्षक नारा और सरकारी स्रोत का उल्लेख होना चाहिए। यह 40 शब्दों में संक्षिप्त और प्रभावशाली होना चाहिए।

Q.0 [0 mark]

अथवा

(ख) आपका नाम मोहन/स्नेहा है। आपके बड़े भाई का चयन 'एन.डी.ए.' में हो गया है। उनको

लगभग 40 शब्दों में बधाई एवं शुभकामना देते हुए संदेश लिखिए।

Answer: संदेश

प्रिय भैया,

एन.डी.ए. में आपका चयन होना हमारे पूरे परिवार के लिए गर्व की बात है। आप देश की सेवा करने जा रहे हैं — यह सौभाग्य की बात है। आपको ढेर सारी बधाई और शुभकामनाएँ ! ईश्वर आपको सफलता और यश प्रदान करे।

आपका छोटा भाई/बहन,

मोहन/स्नेहा

Explanation:

बधाई संदेश में हार्दिक बधाई, प्रेम और शुभकामनाएँ व्यक्त होनी चाहिए। भाषा आत्मीय और सरल होनी चाहिए।